4-day workshop on Artificial Intelligence inaugurated at ICFAI University – Oct 22-25, 2019

the pioneer

RANCHI | FRIDAY | OCTOBER 11, 2019

WORKSHOP ON AI AT ICFAI

A 4-day workshop on Artificial Intelligence using Deep Learning and Machine Learning will be conducted at ICFAI University, Jharkhand from October 22 to 25. The workshop is being held by the University, in association with Finland Labs and Saarang, IIT, Madras. Briefing the press persons on the workshop, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said, "Artificial Intelligence is going to transform the world – both personal and professional aspects- radically. Our personal life style and professional life work the personal and professional. The objective of the workshop is to upgrade the knowledge of students, faculty members, researchers and industry professionals with developments and applications of AI in industry and society".

Morning India
www.sanmarglive.com
03 Ranchi, Wednesday
23 October 2019

Workshop on AI begins at ICFAI University

MI NEWS SERVICE

RANCHI: A four-day workshop on Artificial Intelligence and Machine Learning was inaugurated at ICFAI University, Jharkhand, in association with Finland Technologies. Participants in the workshop included students, faculty members and working professionals from industry. Dr Gopal Pathak, Vice-Chancellor, Jharkhand University of Technology was the Chief Guest and Dr Nitesh Raj, Deputy Director, Higher Education, Govt of Jharkhand was the guest of honour. Welcoming the participants, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of ICFAI University said, "In the last few years, Artificial Intelligence (AI) has been making rapid advances in terms of technology as well as day-to-day applications like Medical Diagnostics, Speech Translation, Service Delivery (be it in banking, insurance, travel etc) and many more are in the pipeline (like autonomous vehicles, surgeries in hospitals, personalized education etc). AI is a disruptive technology, which will impact jobs in the future and hence students as well as working people have to build skills in it so that they are employable. Besides, there is a huge potential for products and services built around AI, in the years to come". "Keeping this in mind, our University decided to conduct the workshop to impart hands-on skills on AI", added Prof Rao. Addressing the participants as guest of honour, Dr Nitesh Raj ,Deputy Director, Higher Education, Govt of Jharkhand said ," AI will create a lot of new job opportunities and hence all of you should take interest in acquiring the skills in the area". Dr Gopal Pathak, Vice-Chancellor, Jharkhand University of Technology, addressing the participants, as chief guest ,explained the origin of AI and recounted the progress made in technology and applications, in the last few years. He complimented the ICFAI University for taking the initiative to conduct the hands-on workshop.

Morning India
www.sanmarglive.com
02 Ranchi, Friday
11 October 2019

Four-day workshop on AI at ICFAI

MI NEWS SERVICE

RANCHI: A 4-day workshop on Artificial Intelligence using Deep Learning and Machine Learning would be conducted at ICFAI University, Jharkhand from 22nd to 25th October, 2019. The workshop is being held by the University, in association with Finland Labs and Saarang, IIT, Madras. Briefing the press persons on the workshop, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said, "Artificial Intelligence is going to transform the world - both personal and professional aspects- radically. The objective of the workshop is to upgrade the knowledge of students, faculty members, researchers and industry professionals with developments and applications of AI in industry and society". Giving the details of the workshop, Dr Shree Ranjan, Head of IT Department said," Besides concepts and applications, this workshop will provide hands-on skills to the participants on various aspects of AI , which include Computer Vision, Natural Language Processing, Neural Networks etc". Those interested in participating in the workshop, may register online, by visiting the University website (https://www.iujharkhand.edu.in/Workshop-AI-ML.asp), or e-mail to seminars. fst@iujharkhand. edu.in or contact Dr Taraknath Paul (09889-482378) or Dr B Goswami (079090-66108).

सन्मार्ग
संदेश

इक्फाई विवि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला

रांची: इक्फाई विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 22 से 25 अक्टूबर तक किया जाएगा। कार्यशाला का आयोजन फिनलैंड लैब्स और सारंग, आईआईटी मद्रास के सहयोग से किया जा रहा है। इस संबंध में विवि के वीसी प्रो ओआरएस राव ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस दुनिया को व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में मौलिक रूप से बदलाव आएगा। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों, संकाय सदस्यों शोधकर्ताओं और उद्योग के पेशेवरों के ज्ञान को उद्योग और समाज में एआई के विकास और अनुप्रयोगों के साथ उन्नत करना है। विश्वविद्यालय के आईटी विभाग के प्रमुख डा रंजन ने कहा कि अवधारणाओं और प्रयोगों के अलावा यह कार्यशाला विभिन्न पहलुओं पर प्रतिभागियों को कौशल प्रदान करेगी, जिसमें कंप्यूटर विजन, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, नेचुरल नेटवर्क शामिल हैं।

प्रभात खबर

रांची, बुधवार 19

23.10.2019

विवि में कार्यशाला शुरू

रांची. इक्फाइ विवि में फिनलैंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग विषय पर चार दिवसीय कार्यशाला मंगलवार से शुरू हुई. इस कार्यशाला में प्रतिभागियों में उद्योग में कार्यरत पेशेवर छात्र और संकाय सदस्य शामिल हुए. विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि आने वाले वर्षों में एआइ के आसपास निर्मित उत्पादों और सेवाओं की भारी संभावना है. झारखंड तकनीकी विवि के कुलपति डॉ गोपाल पाठक ने एआइ की उत्पत्ति के बारे में बताया. राज्य के उच्च शिक्षा उपनिदेशक डॉ नितेश राज ने कहा कि एआइ नौकरी के कई नये अवसर पैदा करेगा. रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

प्रभात खबर

रांची, शुक्रवार 11.10.2019 23

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला 22 से

रांची. इक्फाइ विवि में डीप लर्निंग और मशीन लर्निंग का उपयोग कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चार दिवसीय कार्यशाला होगी. कार्यशाला 22 से 25 अक्तूबर तक होगी. कार्यशाला का आयोजन फिनलैंड लैब्स और सारंग, आइआइटी मद्रास के सहयोग से किया जा रहा है. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया को व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों पहलुओं में मौलिक रूप से बदलने वाला है. इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों, संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और उद्योग के पेशेवरों के ज्ञान को उद्योग और समाज का विकास करना है. आइटी विभाग के प्रमुख डॉ रंजन ने कहा कि अवधारणाओं और अनुप्रयोगों के अलावा यह कार्यशाला एआइ के विभिन्न पहलुओं पर प्रतिभागियों को कौशल प्रदान करेगी. इसमें कंप्यूटर विजन, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और नेटवर्क आदि शामिल हैं.

www.epaper.khabarmantra.com खबर मन्त्र

इक्फाई यूनिवर्सिटी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग विषय पर कार्यशाला प्रारंभ

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इक्फाई यूनिवर्सिटी झारखंड में मंगलवार को फिनलैंड टेक्नोलॉजिस के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग विषयक चार दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। इस कार्यशाला में उद्योगों में इच्छुक व कार्यरत प्रोफेसर छात्र तथा संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गोपाल पाठक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे, जबकि सम्मानित अतिथि झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के उप निदेशक डॉ निलेश राज थे।

एआई की नयी टेक्नोलॉजी भविष्य में नौकरियों को भी प्रभावित करेगी : इक्फाई यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के साथ-साथ चिकित्सा निदान के लिए दिन-प्रतिदिन के प्रयोगों के मामले में तेजी से प्रगति हो रही है। साथ ही भाषण अनुवाद, तथा बैंकिंग, बीमा और यात्रा आदि के क्षेत्र में सेवा वितरण हो रहा है। इसके अलावा कई और भी प्रयोग निरंतर जारी है। जिसमें स्वायत वाहन, अस्पतालों में सर्जरी, व्यक्तिगत शिक्षा आदि शामिल है। एआई को उन्होंने नयी तकनीक बताते हुए कहा कि यह तकनीक भविष्य में नौकरियों को भी प्रभावित करेगी और इसलिए छात्रों के साथ-साथ कामकाजी लोगों को भी इसमें कौशल का निर्माण करना होगा ताकि वे रोजगारपरक हो। प्रो. राव ने कहा कि आने वाले वर्षों में एआई के आसपास निर्मित उत्पादों और सेवाओं की भारी संभावनाएं हैं। इन्हीं तमाम बिंदुओं के मद्देनजर इक्फाई यूनिवर्सिटी ने एआई पर कौशल विकसित करने के लिए कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया। इससे पूर्व प्रो राव ने कार्यशाला के अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कार्यशाला में अतिथियों के साथ पेशेवर छात्र-छात्राएं

नौकरियों के कई अवसर भी पैदा करेगा एआई: डॉ निलेश राज : झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के उप निदेशक डॉ निलेश राज ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि एआई रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। इसलिए आप सभी को इस क्षेत्र में कौशल प्राप्त करने में रुचि लेनी चाहिए।

डॉ गोपाल पाठक, कुलपति झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकी और प्रयोगों में हुई प्रगति को याद किया। उन्होंने हैंडस-ऑन वर्कशॉप के संचालन की पहल करने के लिए इक्फाई यूनिवर्सिटी की सराहना की। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रोफेसर अरविंद कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ आज की कार्यशाला का समापन हुआ।

खबर मन्त्र www.epaper.khabarmantra.com

इक्फाई में चार दिनी कार्यशाला 22 से

रांची। इक्फाई यूनिवर्सिटी झारखंड में डीप लर्निंग और मशीन लर्निंग का उपयोग करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चार दिनी कार्यशाला का आयोजन 22 से होगा। 25 अक्टूबर तक चलनेवाली इस कार्यशाला का आयोजन फिनलैंड लैब्स और सारंग, आईआईटी मद्रास के सहयोग से किया जा रहा है। कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया को व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों पहलुओं में मौलिक रूप से बदलने वाला है। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों, संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और उद्योग के पेशेवरों के ज्ञान को उद्योग और समाज में एआई के विकास और अनुप्रयोगों के साथ उन्नत करना है। आईटी प्रमुख डॉ रंजन ने कहा, की अवधारणाओं और अनुप्रयोगों के अलावा यह विभिन्न पहलुओं पर प्रतिभागियों को कौशल प्रदान करेगी। इसमें कंप्यूटर विजन, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, नेउरल नेटवर्क आदि शामिल है। इच्छुक लोग विवि की वेबसाइट के लिंक (https://www.iujharkhand.edu.in/Workshop-AI-ML.asp) पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। या सेमिनार के लिए ई-मेल fst@iujharkhand.edu.in पर कर सकते है। डॉ तारकनाथ पॉल (09889-482378) या डॉ बी गोस्वामी (079090-66108) से फोन पर भी संपर्क कर सकते है।

शुक्रवार, 11 अक्तूबर 2019

हिन्दुस्तान

इक्फाई विवि में कार्यशाला 22 से

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 22 से 25 अक्तूबर तक किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के सैथ फिनलैंड लैब्स और सारंग आईआईटी मद्रास के सहयोग से किया जा रहा है। (सं.)

दैनिक भास्कर
रांची, बुधवार 23 अक्टूबर, 2019

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला शुरू

रांची | इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर चार दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। इसमें उद्योग जगत में कार्यरत, छात्र और संकाय सदस्य शामिल हुए। मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति डॉ. गोपाल पाठक, झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के उप निदेशक डॉ. नीतेश राज मौजूद रहे। कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के साथ-साथ दिन-प्रतिदिन तेजी से प्रगति कर रहा है। इसका इस्तेमाल भाषण अनुवाद, सेवा वितरण, बैंकिंग, बीमा, यात्रा आदि में हो रहा है। कई और भी प्रयोग हो रहे हैं।

दैनिक भास्कर
रांची, शुक्रवार 11 अक्टूबर, 2019

इक्फाई विश्वविद्यालय

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वर्कशॉप 22 से होगी

रांची | इक्फाई यूनिवर्सिटी में चार दिवसीय वर्कशॉप 22 से 25 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। इसका विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है। इसका आयोजन फिनलैंड लैब्स, आईआईटी मद्रास के सहयोग से किया जा रहा है। इक्फाई विवि के वीसी प्रो. ओआरएस राव ने बताया कि इस वर्कशॉप का उद्देश्य स्टूडेंट्स, फैकल्टी और रिसर्च स्कॉलर को दक्ष बनाना है। आईटी विभाग के हेड डॉ. रंजन ने बताया कि इस वर्कशॉप में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

City भास्कर
रांची, शुक्रवार 11 अक्टूबर, 2019 |02

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वर्कशॉप 22 से 25 तक

रांची | आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चार दिवसीय कार्यशाला 22 से 25 अक्टूबर तक इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में आयोजित की जाएगी। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय द्वारा फिनलैंड लैब्स और सारंग, आईआईटी मद्रास के सहयोग से आयोजित की जा रही है। इसके बारे में प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया को व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों पहलुओं में मौलिक रूप से बदलने वाला है। कार्यशाला का उद्देश्य स्टूडेंट्स, शोधकर्ताओं के ज्ञान को उन्नत बनाना है। वहीं, विश्वविद्यालय के आईटी विभाग के प्रमुख डॉ. रंजन ने कहा कि यह कार्यशाला प्रतिभागियों को कौशल प्रदान करेगी। इसमें कंप्यूटर विजन, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, नेटवर्क आदि शामिल हैं। इसमें भाग लेने के इच्छुक विवि की वेबसाइट https://www.iujharkhand.edu.in/Workshop-AI-ML.asp पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।